प्रादर्श प्रश्न पत्र 2012

विषय – हिन्दी विशिष्ट

कक्षा – बारहवीं

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक उनके सामने अंकित है।
3. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए $1 \times 5 \times 5 = 25$ अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 6 से 10 तक में प्रत्येक के उत्तर लगभग 50 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 11 से 19 तक में प्रत्येक के उत्तर 100 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 20 का उत्तर लगभग 250/300 शब्दों में लिखिए। इसके लिए 10 अंक निर्धारित है।

प्रश्न 1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गये विकल्पों में से उचित शब्द का चयन कर कीजिए।

1. नए मेहमान.....शहर से आए थे।

(लखनऊ/बिजनौर)

2. केवट एक.....था।

(मल्लाह/पुजारी)

3. 'नैनो' का शाब्दिक अर्थ है.....।

(दीर्घ/सूक्ष्म)

4. सामर्थ का शुद्ध रूप.....है।

(समर्थय / सामर्थ्य)

5. अद्‌भुत रस का स्थायी भाव.....है।

(जुगुत्सा / विस्मय)

प्रश्न 2. सही जोड़ी बनाइए –

	क	**–**	**ख**
(1)	भय	–	बोली
(2)	सूरदास	–	मनोविकार
(3)	कंस	–	अलंकार
(4)	मालवी	–	कारागार
(5)	काव्य की शोभा	–	ब्रज भाषा

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों में सत्य / असत्य छांटिए –

1. 'वापसी' कहानी में एक निम्न मध्यवर्गीय परिवार के बिखराव का मार्मिक चित्र प्रस्तुत किया गया है।
2. अरे तुम हो काल के भी काल कविता श्रृंगार रस की है।
3. लता मंगेशकर, शास्त्रीय संगीत क्षेत्र की निर्विवाद साम्राज्ञी है।
4. मैने अनेकों शहरों का भ्रमण किया है। यह एक अशुद्ध वाक्य है।
5. 'छप्पय छंद' विषम मात्रिक छंद है।

प्रश्न 4. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :–

1. गांव के एकांत जीवन में लेखक रामनारायण उपाध्याय का सबसे बड़ा साथी कौन था?
2. सुबह और शाम भारत की आरती कौन करता है?
3. 'छोटे–छोटे सुख रचना हिन्दी गद्य की कौन सी विधा है?

4. ''गागर में सागर भरना'' मुहावरें का अर्थ बताइए।

5. वीर रस का स्थायी भाव क्याहै?

प्रश्न 5. सही विकल्प चुनिए –

(1) ऐसा व्यक्ति जो सब विषयों पर एक ही अंदाज से एक ही बात करता है, कहलाता है।

(अ) रेडीमेड अध्यक्ष (ब) श्रेष्ठ वक्ता

(स) पुराना अध्यक्ष (द) रेडीमेड वक्ता

(2) ''बसंत गीत'' के रचयिता है –

(अ) गजानन माधव मुक्तिबोध (ब) शिवमंगल सिंह सुमन

(स) महादेवी वर्मा (द) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

(3) उत्तराखंड राज्य में यह तीर्थस्थल नहीं है –

(अ) यमुनोत्तरी (ब) गंगोत्तरी

(स) गंगासागर (द) केदारनाथ

(4) कटुता शब्द का विलोम शब्द है –

(अ) सुंदरता (ब) मधुरता

(स) सज्जनता (द) सरलता

(5) महाकाव्य है –

(अ) सुदामा चरित (ब) पंचवटी

(स) साकेत (द) हल्दीघाटी का युद्ध

प्रश्न 6. प्रयोगवादी काव्य की कोई दो प्रमुख विशेषताएं बताते हुए इस वाद के दो प्रमुख कवियों के नाम तथा उनकी कोई एक रचना का नाम लिखिए।

अथवा

नई कविता से आप क्या समझते है? इसकी कोई दो विशेषताएं और इसके कोई दो प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।

प्रश्न 7. अपने को निर्दोष सिद्ध करने के लिए कृष्ण ने यशोदा को क्या–क्या तर्क दिए?

अथवा

कवि 'नवीन' ने भारतीय युवाओं को 'काल के भी काल' क्यों कहा है?

प्रश्न 8. भोर होते ही प्रकृति में कैसी–कैसी चेतना आ जाती है, प्रसाद की कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

विजय किनके चरणों में लौटती है और क्यों? 'बढ़ सिपाही' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 9. गद्य की एक विधा यात्रावृत्त से क्या आशय है? इस विधा के कोई दो प्रमुख लेखकों के नाम लिखिए।

अथवा

भारतेन्दुयुगीन निबंधों की कोई चार प्रमुख विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न 10. (अ) गजाधर बाबू के स्वभाव की कोई दो विशेषताएं बतलाइए।

(ब) भय और आशंका में क्या अंतर है?

अथवा

अच्छे अध्यक्ष की कोई चार प्रमुख विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न 11. डॉ. रामकुमार वर्मा सबसे पहले अपनी माता का स्मरण क्यों करते है? उनका माता की दिनचर्या संक्षिप्त में लिखिए।

अथवा

कवि ने आयातित अंधकार किसे कहा है?

प्रश्न 12. (अ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए।

1. वे सज्जन पुरूष आए है।
2. आज राम रहीम के साथ आया है।
3. तूफान आने की संभावना है।

(ब) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तित कीजिए –

1. गुरूजन का सम्मान करना चाहिए। (आज्ञावाचक वाक्य)
2. मैं गीता के रचयिता को नहीं जानता। (मिश्रवाक्य)

अथवा

(अ) बोली किसे कहते है? मध्यप्रदेश की कोई चार बोलियों के नाम लिखिए।

(ब) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. खून खौलना।
2. एक लाठी से हांकना।

प्रश्न 13. (अ) 'प्रसाद गुण' किसे कहते है? इस गुण का संबंध किन रसो से है?

(ब) भयानक रस का कोई एक उदाहरण लिखते हुए इसका स्थायी भाव बताइये।

अथवा

(अ) बूलेष अलंकार किसे कहते है? कोई एक उदाहरण सहित समझाइए।

(ब) दुर्मिल सवैया छन्द की कोई दो विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न 14. उषा प्रियंवदा अथवा शरद जोशी का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

(1) दो रचनाएं (2) भाषा शैली (3) साहित्य में स्थान।

प्रश्न 15. कबीरदास अथवा गजानन माधव मुक्तिबोध का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

(1) दो रचनाएं (2) भाव पक्ष (3) कलापक्ष (4) साहित्य में स्थान।

प्रश्न 16. निम्नांकित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

जीवन बहुत सरल नहीं है। मेहनत और ईमानदारी ही ऊर्जा बढ़ाते है। लाख अंधेरे आए, लाख आपत्तियां आएं, तुम यदि अपने प्रति आस्थावान, निष्ठावान रहेगे, तो स्वयं प्रकाशित होकर दूसरों को भी प्रकाशित कर सकोगे।

अथवा

हर सभा में जब तक माइक और अध्यक्ष फिट नहीं होते, सभा ठिठकी रहती है। माइक के सामने तक अध्यक्ष फिट किया जाना जरूरी है। पचास–सौ वर्षों बाद तो अध्यक्षता इतनी विकसित हो जायेगी कि खुद माइक वाला अपने साथ अध्यक्ष लायेगा और मंच पर फिट कर देगा।

प्रश्न 17. निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

आस्थाओं की टकराहत से लाभ क्या?
मंजिल को हम देंगे भला जवाब क्या?
हम टूटे तो टूटेगा यह देश भी,
मैला वैचारिक परिवेश भी,
श्रमकर्त्ताओं, रचनाकारो, साथियों।
कोई रोके, बलिदानी रंग घोल दो,
रक्त चरित्रों भारत की जय बोल दो।

अथवा

बादल आये आसमान में, धरती फूली री,
अरी सुहागिन, भरी मांग में भूली–भूली री,
बिजली चकची भाग सखी री दादूर बोले री,
अन्ध प्राण ही बही, उड़े पंछी अनमोले री।

प्रश्न 18. निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिये।

भारत जैसे विशाल देश में जहां सभ्यता ने आंख खोली और मानवता के विकास का इतिहास लिखा, पर्यटन की अपार संभावनाएं इतनी अधिक कि सभी संलग्न संगठन मिलकर कार्य करें तो पूरा नहीं पड़ सकता। इसी सत्य को स्वीकारने का यह परिणाम हुआ कि केन्द्र सरकार ने अपनी निर्धारित नीति में परिवर्तन किया है, तभी तो भारत पर्यटन विकास निगम अब राज्य सरकारों और गैर सरकारी क्षेत्र को प्रोत्साहित करने की नीति पर चल रहा है।

प्रश्न 1. भारत में किस क्षेत्र में और अधिक विकास करने की संभावनाएं है?

प्रश्न 2. पर्यटन क्षेत्र में विकास के लिए भारत सरकार ने क्या कदम उठाए है?

प्रश्न 3. पर्यटन के क्षेत्र में कार्यरत अर्द्धशासकीय संस्था का नाम लिखिए।

प्रश्न 4. उपयुक्त गद्यांश का सटीक शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 19. अपने विद्यालय के प्राचार्य को आवेदन पत्र लिखकर कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों के साथ एक मैत्री मैच खेलने की अनुमति देने का आग्रह कीजिए।

अथवा

अपने मित्र को पत्र लिखकर आगामी गर्मियों की छुट्टियां अपने साथ बिताने के लिए आमंत्रित कीजिए।

प्रश्न 21. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए।

1. बढ़ती जनसंख्या की समस्या।
2. शिक्षा एवं रोजगार।
3. मेरा प्रिय रोजगार।
4. मेरा प्रिय खेल
5. सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में क्रांति।

– – – – – –

आदर्श उत्तर
विषय – हिन्दी विशिष्ट
कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. बिजनौर
2. मल्लाह
3. सूक्ष्म
4. सामर्थ्य
5. विस्मय

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 2. सही जोडियां बनाइये–

	क	**–**	**ख**
(1)	भय	–	मनोविकार
(2)	सूरदास	–	ब्रज भाषा
(3)	कंस	–	कारागार
(4)	मालवी	–	बोली
(5)	काव्य की शोभा	–	अलंकार

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 3. सत्य/असत्य छांटिये –

1. सत्य
2. असत्य
3. असत्य

4. सत्य

5. सत्य

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 4. एक वाक्य में उत्तर दीजिए –

1. डाक।
2. सूरज और चंदा।
3. ललित निबंध।
4. कम शब्दों में अधिक बात कहना।
5. उत्साह।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 5. सही विकल्प का चयन कीजिए–

1. रेडीमेड अध्यक्ष।
2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला।
3. गंगासागर।
4. मधुरता।
5. साकेत।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 6. प्रयोगवादी काव्य की विशेषताएं –

1. नवीन उपमानों का प्रयोग।
2. प्रेम भावनाओं का खुला चित्रण।
3. बुद्धिवाद की प्रधानता।
4. अहं और व्यंग्य की प्रधानता।
5. रूढ़ियों के प्रति विद्रोह।

प्रमुख प्रयोग वादी कवि – रचनएं

1. अज्ञेय – इत्यलम, हरी घास पर क्षण भर
2. मुक्तिबोध – चांद का मुंह टेढ़ा है, भूरी–भूरी खाक धूल
3. धर्मवीर भारती – अंधा युग, कनुप्रिया

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

नई कविता – स्वतंत्रता के बाद लिखी गई वह कविता जिसमें नवीन भाव बोध नवीन मूल्य तथा नया शिल्पविधान है।

विशेषताएं –

1. व्यंग्य की प्रधानता।
2. भोगा हुआ जीवन यथार्थ।
3. दार्शनिक मानवरूप प्रतिष्ठित हुआ।
4. शहरी और ग्रामीण परिवेश का सम्मिलन।

प्रमुख कवि –

1. गिरिजा कुमार माथुर।
2. धर्मवीर भारती।
3. नागार्जुन।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7.

1. मैंने दही नहीं खाया है, बल्कि ग्वालवालों ने मरे मुंह पर लपेट दिया है।
2. दही का बर्तन ऊंचे छींके पर लटका हुआ है।
3. छोटे–छोटे हाथ छींके तक नहीं पहुंच सकते।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कवि के अनुसार भारत के युवा, काल अर्थात मृत्यु की परवाह किए बिना देश की रक्षा के लिए स्वप्राणों की बाजी लगा देते है। कवि के अनुसार भारतीय वीर मृत्यु से अभीत रहते है। वे प्राणों को हथेली पर रखकर देश की रक्षा के लिए रणक्षेत्र में प्रवेश करते है और विजय प्राप्त करके ही लौटते है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. कवि के अनुसार भोर होते ही संपूर्ण प्रकृति चैतन्य दृष्टिगत होती है। भोर होते ही तारे डूबने लगते है। पक्षियों के समूह अपनी मधुर बोली में गीत गा रहे हैं और सुगंधित पवन के बहने से मुलायम पत्तियां हिल रही है। लता भी अपने पुष्प रूपी घड़े में मधु भर लाई है। कवि कहता है कि ऊषा रूपी सुंदर स्त्री अम्बर रूपी पनघट में अपने तारे रूपी घड़े को डुबो रही है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कवि के अनुसार विजय उन्हें ही प्राप्त होती है जिन्हें विजय का विश्वास होता है। विजय उन्हीं के चरणों में लौटती है, जो अपने पथ की बाधाओं पर विजय पाते हुए अपने धर्म पथ पर आगे बढ़ते जाते है। वे अपने साहस और शक्ति से विश्व को भी झुका देते है। विजय के विश्वास के साथ जो व्यक्ति अपने पथ पर आगे बढ़ता है, विजय उसका स्वागत करती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. यात्रावृत्त अर्थात् यात्रा साहित्य, गद्य की लघु विधा है। यह एक रोचक तथा मनोरंजन प्रधान विधा है। यह विधा आत्मपरक, अनौपचारिक, संस्मरणात्मक तथा मनोरंजक होती है। इस विधा का लक्ष्य यह रहता है कि लेखक अपनी यात्रा में प्राप्त किए आनन्द और ज्ञान को पाठकों तक पहुंचा सकें।

यात्रावृत्त विधा के प्रमुख लेखकर –

1. राहुल सांकृत्यायन।
2. अज्ञेय।
3. डॉ. नगेन्द्र।
4. यशपाल।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

1. इतिहास, धर्म, समाज, राजनीति, आलोचना, प्रकृति वर्णन, व्यंग्य विनोद आदि विषयों पर लिखा गया है।
2. राजनीति और समाज सुधार के निबंध अधिक लिखे गए।
3. व्यंग्यात्मक शैली का प्रयोग।
4. कहावतों और मुहावरों का अधिक प्रयोग।
5. लोक प्रचलित शब्दों का प्रयोग।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. (अ)

1. स्नेही व्यक्ति थे।
2. स्नेह की आकांक्षा रखते थे।
3. परिवार के सदस्यों के साथ मनोविनोद करना चाहते थे।

(ब) भय में दुख के बाहर जाने की भावना होती है। जबकि दुःख या आपत्ति का पूर्ण निश्चय न रहने पर उसकी संभावना मात्र का अनुमान, जो आवेग शून्य भय है, वह आशंका है। आशंका, भय का लघु रूप है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

1. मनहूस होना अर्थात् दुर्भाग्यशाली।
2. गंभीर किस्म का प्राणी या उसमें यह भ्रम बनाये रखने की शक्ति होती।

3. अध्यक्ष पद पर बैठकर विभिन्न मुख्य मुद्राएं बनाना।
4. देर से आना (अति व्यस्त प्राणी होने से)।
5. अध्यक्षीय भाषण गोल–मोल होना।
6. भीड़ से अलग बैठने, तकल्लुफ प्रदर्शन करके अन्त में माइक के साथ फिट होने का रोगी होना।
7. नौ रतन की चटनी के समान विभिन्न विचारों का आनन्द प्रदान करने वाला।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. डॉ. वर्मा की मां एक उच्च कोटि की संगीतज्ञ कएवं काव्य ज्ञान से परिपूर्ण थी। डॉ. वर्मा अपनी माताजी का बहुत आदर और सम्मान करते थे। मां की प्रेरणा, स्नेह, मार्गदर्शन और आशीर्वाद से डॉ. वर्मा कविता लेखन के क्षेत्र में कदम रख सके थे। अतः डॉ. वर्मा अपनी मां ने न सिर्फ करूणामयी मां का रूप देखते थे, अपितु एक गुरू का बिंब भी उन्हें अपनी मां में दिखाई देता था। अतः डॉ. वर्मा सबसे पहले अपनी माता का स्मरण किया करते थे।

मां की दिनचर्या – सुबह–सवेरे जल्दी उठकर शौच इत्यादि से निवृत्त होकर राग विभास के स्वरों का तन्मय तो से गान करती थी। ये प्रतिदिन का नियम था। प्रातः काल गान के पश्चात ही वे अन्य आवश्यक कार्यों को संपादित किया करती थी।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

आयातित का अर्थ है आयात किया हुआ। कवि ने अनुसार हम भारतवासियों ने पश्चिमी सभ्यता का अंधानुकरण करते हुए भले बुरे, और लाभ हानि का भेद किये और विचार किये हम पश्चिमी रूपी आयातित विलासिता के गहन अंधकार में घिरते जा रहे है। कवि के अनुसार सूर्य (ऊर्जा और प्रकाश का सनातन स्त्रोत) पूर्व से उदय होता है और पश्चिम दिशा में अस्त हो जाता है। कवि के

अनुसार एक समय हम भारतवासी (पूर्व वाले) विश्व गुरू कहलाते थे लेकिन बदलते परिवेश और पश्चिमी सभ्यता के अंधानुकरण ने हमसे हमारा मानो विवेक छीन लिया हो। कवि के अनुसार आयातित अंधकार से आशय तथा कथित आधुनिकता एवं विलासिता की वस्तुओं को प्राप्त करने के निहितार्थ पश्चिमी सभ्यता के अंधानुकरण करने से है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. (अ)

1. वे सज्जन आए है।
2. राम आज रहीम के साथ आया है।
3. तुफान, आने की आशंका है।

(ब)

1. गुरूजनों का सम्मान करो।
2. मैं नहीं जानता कि गीात का रचयिता कौन है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

(अ) किसी भाषा के एक ऐसा सीमित क्षेत्रीय रूप जो ध्वनि, रूप, वाक्य, गठन, अर्थ, शब्द समूह तथा मुहावरों आदि की दृष्टि से उस भाषा के अन्य क्षेत्रीय रूपों से भिन्न होती है।

मध्यप्रदेश की बोलियां – मालवी, निमाड़ी, बुन्देली, ब्रज, बघेली आदि।

(ब) मुहावरें

1. खून खौलना – अत्यधिक क्रोधित होना।

वाक्य – अंग्रेज सिपाहियों का देखते ही भारतीय वीरों का खून खौलने लगता था।

2. एक ही लाठी से हांकना – सही गलत का भेद न करना।

प्रयोग – कई शिक्षक, कई बार सभी विद्यार्थियों को एक ही लाठी से हांक देते है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. (अ) जिस काव्य को सुनते या पढ़ते समय वह ह्रदय पर छा जाए और बुद्धि शब्दों के दुरूह जाल में या किलष्ट अर्थो की कलुषता में मलिन न होकर एकदम प्रभावित हो जाए, मन खिल जाये, उसे प्रसाद गुण कहते है।

प्रसाद गुण का संबधं सभी रसों से है।

(ब) उदाहरण –

नम से झपटत बाज लखि, मूल्यों सकल प्रपंच।

कंपति तन व्याकुल नयन, लावक हिल्यों न रंच।।

स्थायी भाव– भय।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4)

अथवा

(अ) काव्य में जहां एक शब्द के एक से अधिक अर्थ निकलते है, वहां श्लेष अलंकार होता है। श्लेष का शाब्दिक अर्थ है चिपका हुआ अर्थात एक से अधिक अर्थ चिपके रहते है।

उदाहरण – रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।

पानी गये न ऊबरे, मोती मानस चून।।

इस दोहे में पानी के तीन अर्थ है –

1. मोती का पानी – मोती की आभा या चमक।
2. मनुष्य का पानी – मुनष्य की आभा या चमक प्रतिष्ठा।
3. चूने का पानी – चूने में पानी।

(ब)

1. हर चरण में आठ सगण पाए जाते है।
2. वर्ण संख्या 24 मानी गई है।
3. इस छन्द को चन्द्रकला भी कहते है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4)

उत्तर 14. **साहित्य परिचय** – उषा प्रियंवदा।

1. **रचनाएं :–** शेष यात्रा, जिन्दगी और गुलाब, फिर बसन्त आया, मेरी प्रिय कहानियां।
2. **भाषा शैली :–** सरल, सुस्थिर, संयत एवं बोधगम्य खड़ी बोली का प्रयोग किया है। शब्दों के सामासिक प्रयोग से उषा प्रियवंदा के साहित्य की भाषा में कसावट है। भावस्मक, विवरणात्मक तथा व्यंग्यात्मक शैली है। उपन्यासों में विवरण शैली के दर्शन होते है। सहज कथन शैली व यथार्थ का चित्रण बेजोड़ है। भावुकता, माधुर्य तथा प्रवाह उनकी शैली की विशेषता है।
3. **साहित्य में स्थान :–** पारिवारिक विघटन को रोकने का संदेश देती कथाएं और वर्तमान में नष्ट होते हुए भारतीय मूल्यों का सटीक चित्रण करने के कारण लेखिका आधुनिक समाज की एक आदर्श कथाकार है।

(2+1+1+1=5 अंक)

अथवा

साहित्य परिचय – शरद जोशी

1. **रचनाएं :–** पिछले दिनों, जीप पर सवार इल्लियां, परिक्रमा, एक था गधा।
2. **भाषा :–** शरदजी की भाषा अत्यंत सरल, सहज, सरस है। भाषा में एक विशिष्ट प्रवाह है। मुहावरों कहावतों का प्रभावशाली प्रयोग देखने को मिलता

है। देशी–विदेशी शब्दों के प्रयोग से भाषा बोधगम्य बन गई है। शरद जी व्यंग्य के भाषागत सौन्दर्य को अपनी छोटी–छोटी उक्तियों के माध्यम से प्रभावशाली बनाने में सफल रहे है।

3. **शैली :–** शरदजी की शैली मुख्य रूप से हास्य व्यंग्य प्रधान है। उन्होंने सामाजिक विडम्बनाओं और उसके अन्तर्विरोधों को आधार मानकर व्यंग्य किये है। उनकी आलोचनात्मक शैली भी व्यंग्य से परिपूर्ण है। उनके हर व्यंग्य में ओज का पुट मौजूद है।
4. **साहित्य में स्थान :–** हिन्दी साहित्य में अप्रतिम व्यंग्यकार के रूप में शरदजी का महत्वपूर्ण स्थान है। आपके ओज पूर्ण व्यंग्यों ने अपने समय में लोकप्रियता की चरम सीमा को पार किया है। हिन्दी गद्य साहित्य आपको सदैव याद रखेगा।

(2+1+1+1=5 अंक)

उत्तर 15. **साहित्य परिचय – कबीर दास**

1. **रचनाएं :** साखी, सबद, रमैनी
2. **भाव पक्ष :** कबीरदासजी को हिन्दी काव्य में रहस्यवाद का जन्मदाता कहा जाता है। भक्तिकाल की निर्गुण ज्ञानमार्गी शाखा के प्रतिनिधि कवि कबीरने सामाजिक विकारों को दूर करने का भरसक प्रयास किया। अंध विश्वास, छूआछूत, वर्ग भेद, जात, पांत आदि का विरोध करते हुए समता मूलक समाज की अवधारणा को पुष्ट करने का प्रयास किया। भाषा सीधी सरल, व्यवहारिक हैं। अरबी, फारसी, राजस्थानी, ब्रज भाषा के शब्दों का प्रयोग किया है। आपने रूपक, अनुप्रास, उपमा अलंकारों का स्वाभाविक रूप से प्रयोग किया है। प्रतीक, बिम्ब तथा अन्योक्ति अद्‌भूत है।
3. **कला पक्ष :** अकृत्रिम भाशा, सहज निर्द्वन्द्व शैली, अलंकार, छंद।

(2+1+1+1=5 अंक)

अथवा

साहित्य परिचय – गजानन माधव ''मुक्ति बोध''

1. **रचनाएं :–** चांद का मुंह टेड़ा है, काठ का सपना, सतह से उठता हुआ आदमी, नये साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र, भारतीय इतिहास, कामायनी एक पुर्नविचार।
2. **भाव पक्ष :–** मुक्तिाबोध जी जीवन तथा समाज के यथार्थ से संबंध रखते है। कविता में समाज की विपन्नता, विवशता तथा विसंगतियों को चित्रित किया है। काव्य में मानवतावाद का स्वर स्पष्ट से मुखारित हुआ है। कविता में आधुनिक भाव बोध की सशक्त अभिव्यंजना है। उनकी काव्य चेतना में चिंतन की प्रचुरता है।
3. **कला पक्ष :–** भाषा परिमार्णित, प्रौढ़ तथा पुष्ट है। भाषा सरल तथा प्रवाहमय है। भाषा में प्रांजलता, शब्द चयन की सहजता, सार्थकता के साथ–साथ बोध के अनुरूप कथ्य को प्रकट करने की पूर्ण सामर्थ्य है। भाषा में कहीं पर बनावट तथा अस्वाभिकता नहीं है। इनकी काव्य शैली बिम्ब तथा प्रतीक प्रधान है। वे सहज जीवन को व्यक्त करने कारण सरलता से ग्राह्य है।
4. **साहित्य में स्थान :–** गजानन माधव मुक्ति बोध नई कविता के प्रतिनिधि कवि है। जीवन मूल्यों के प्रयोग करने वाले कवि भी है। इनका विशिष्ट स्थान है।

(2+1+1+1=5 अंक)

उत्तर 16. गद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक के ललित निबंध तिमिर गेह में 'किरण आचरण' से उद्धृत है। इसके लेखक डा. श्यामसुंदर दुबे है।

प्रसंगः– प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने बचपन में अपने आत्मविश्वास का उल्लेख करते हुए अपने पिता का स्मरण किया है।

व्याख्याः– लेखक के पिता ने कहा था कि प्राणी के जीवन में चाहे अनगिनत दुख, मुसीबतें या रूकावटें आये लेकिन वह अपने कर्म, मेहनत, सत्य और ईमानदारी पर आस्थावान है, तो उसके विकास का कोई रोक नहीं सकता। ऐसा व्यक्ति स्वयं का विकास करने के साथ–साथ संपर्क में आने वाले व्यक्ति को भी प्रकाश देता है। अर्थात् सुख देता है। उन्हें कर्मठ बनने की प्रेरणा देता है लेखक के अनुसार जिस दिन मनुष्य स्वयं कर्मठ बनकर दूसरों को भी कर्मठ बनायेगा, वही दिन दीपावली का दिन होगा।

विशेषः–

1. ईमानदारी पर विशेष बल दिया गया है।
2. संस्कृत मिश्रित उर्दू के शब्दों का प्रयोग है।
3. व्यास व उद्धरण शैली है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–2, विशेष–1 कुल 5 अंक)

अथवा

गद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक के 'अध्यक्ष महोदय' नामक पाठ से अवतरित है। इसके लेखक शरद जोशी है।

प्रसंगः– प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने किसी सभा की पूर्णता के लिये माइक और अध्यक्ष की आवश्यकता प्रतिपादित की है।

व्याख्याः– शरद जोशी जी ने सभा की कार्य प्रणाली पर व्यंग्य करते हुए कहा है कि प्रत्येक सभा के दो अनिवार्य तत्व है माइक व अध्यक्ष। दोनों के फिट होने पर ही सभा की गरिमा है। इनके बिना सभा झिझकी–झिझकी रूकी–रूकी और गतिहीन प्रतीत होती है। जब अध्यक्ष के स्थान पर बैठे व्यक्ति के मुंह के सामने माइक रखा जाता है तब ही लगता है कि गोष्ठी हो रही है। फिलहाल ये दोनों अलग–अलग है लेकिन भविष्य में अर्द्धशताब्दी बाद जैसे निर्जीव माइक को बिजली वाला अपने साथ लाता है, उसी तरह निर्जीव अध्यक्ष को भी माइक

वाला लायेगा। जिस तरह माइक से वही प्रतिध्वनि निकलती है जो माइक के पीछे बैठा व्यक्ति बोलता है ऐसे ही अध्यक्ष बोलेगा जैसा नेपश्य में से उसे बताया जाएगा।

विशेषः–

1. अध्यक्ष पद पर व्यंग्य है।
2. भाषा सरल है अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग है।
3. देशज शब्दों का भी प्रयोग है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–2, विशेष–1 कुल 5 अंक)

उत्तर 17. पद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक के पाठ विविधा–2 के भारत की जय बोल दो से अवतरति है। इसके रचयिता गीतकार वीरेन्द्र मिश्र है।

प्रसंगः– प्रस्तुत गद्यांश में कवि ने शक्ति, सुख और समृद्धि की कामना की है।

व्याख्याः– कवि कहता है कि आपसी परंपराओं, रीति–रिवाजों के टकराने से कोई लाभ नहीं है। ये सभी लोगों की अपनी आस्था के केन्द्र है। यदि हम भारतीय आपस में लड़ते रहे तो भावी पीढ़ी को हम क्या कोई जवाब दे पायेंगे? यदि हम बंटेंगे तो निश्चित रूप से यह देश भी बंट जाएगा, कमजोर होगा। लोगों में आपस में कई मतभेद है। अतः विचारों में संकीर्णता को समाप्त करने की आवश्यकता है। हम स्वाधीन भारत में रचनात्मक कार्य करते हुए जिए। हे भारत के नवयुवकों तुम सदैव भारत मां की जय–जयकार करने को तैयार रहो। कवि कहता है कि शांति और संस्कृति की पूर्ण वेग से बहती हुई स्वाधीनता की गंगा को कोई रोकने का प्रयास करे तो उसका मुकाबला हम अपना बलिदान करके दें।

विशेषः–

1. मिश्रित शब्दावली।
2. आपसी मतभेदों को मिटाने का आह्मन किया है।
3. संगीतात्मकता है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–2, विशेष–1 कुल 5 अंक)

अथवा

पद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत पंक्तियां हमारी पाठ्यपुस्त में संकलित कविता मंगल वर्षा से उद्धृत हैं इसके कवि पं. भवानीप्रसाद मिश्र है।

प्रसंगः– प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने सावन में वर्षा के आगमन के दृश्य का चित्रण किया है।

व्याख्याः– कवि कहता है आकाश में बादल छा गये है और संपूर्ण धरती प्रफुल्लित हो रही है। एक सखी दूसरी सखी से कहती है कि तेरी मांग भरी हुई है और ऐसा लगता है कि इस मनोरम मौसम में तू कुछ भूली भूली सी लगती है। आसमान में बिजली चमक रही है और बादलों को देखकर मेंढ़क भी हर्षित होकर बोलने लगे है। हवा के बहने से सुंदर पक्षी भी उड़ने लगे है। पक्षियों का दृश्य मनोरम है।

विशेषः–

1. प्रकृति का मनोहारी वर्णन।
2. रूपक उपमा और मानवीकरण अलंकार का प्रयोग।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–2, विशेष–1 कुल 5 अंक)

उत्तर 18. अपठित गद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. पर्यटन क्षेत्र में।

उत्तर 2. केन्द्र सरकार ने नीति परिवर्तित की है। गैर सरकारी क्षेत्रों को भी पर्यटन क्षेत्र की ओर आकर्षित किया जा रहा है।

उत्तर 3. पर्यटन विकास निगम।

उत्तर 4. भारत में पर्यटन क्षेत्र का भविष्य।

(1+3+1 कुल 5 अंक)

उत्तर 19.

प्रति,

श्रीमान प्राचार्य महोदय,

सरस्वती उ.मा. वि. गौतम नगर,

शिवपुरी म.प्र.

विषयः– क्रिकेट मैत्री मैच की अनुमति प्रदान करने विषयक।

महोदय

उपरोक्त विषय में विनम्र निवेदन है कि आपसी परामर्श और सहमति से हम कक्षा बारहवीं (वाणिज्य संकाय) के विद्यार्थी अपने कनिष्ठ कक्षा ग्यारहवीं (विज्ञान संकाय) के साथियों के साथ एक दिवसीय दस ओवर का क्रिकेट मैच (मैत्री मैच) खेलने के इच्छुक है। हम विश्वस दिलाते है कि खेल भावना से इस मैच को खेलेंगे। अनुशासित रहेंगे।

आशा है आप इस मैत्री मैच की अनुमति प्रदान कर संपूर्ण विद्यालय परिवार को दर्शक रूप में इस मैच के लिए आमंत्रित करने का कष्ट करें।

धन्यवाद।

भवदीय

संलग्नः– आपसी सहमति अनुबंध पत्र।

कक्षा बारहवीं (वाणिज्य संकाय)

(1+3+1 कुल 5 अंक)

<u>अथवा</u>

25, देसाई नगर ब्यावरा

दिनांक 08.08.2012

प्रिय, मित्र राजेन्द्र,

मधुर यादें

नमस्ते! मैं यहां सकुशल हूँ। आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास भी है कि तुम वहां सकुशल होंगे। 30 अप्रेल को मेरा वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित हो गया है। ईश्वर के असीम कृपा और गुरूजनों के आशीर्वाद से मैंने 78 प्रतिशत अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। तुम्हारा परीक्षा परिणाम क्या रहा?

कल से ग्रीष्मावकाश शुरू हो रहे है। इस बार मैंने सपरिवार पचमढ़ी के प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेने का कार्यक्रम बनाया है। तुम्हारा कार्यक्रम ग्रीष्मावकाश के बारे में क्या है? यदि ऐसी कोई योजना फिलहाल नहीं बनी है तो क्या हमारे साथ ग्रीष्मावकाश बिताना पसंद करोंगे? यदि हां तो मुझे अत्यधिक प्रसन्नता होगी।

मैं तुम्हारे पत्र की प्रतीक्षा करूंगा। पूजनीय चाचाजी, चाचीजी को सादर चरण स्पर्श, गोलू को सादर।

तुम्हारा मित्र

रमेश

(1+3+1 कुल 5 अंक)

उत्तर 20. निबंध–

इंटरनेट–आज के जीवन की आवश्यकता

प्रस्तावना :– कम्प्यूटर एक यांत्रिक मस्तिष्क का रूपात्मक योग है तथा इंटरनेट कम्प्यूटर का एक अंग है। समाज में आज कोई भी इससे अछूता नहीं है। आज छात्र इन्टरेनेट का उपयोग कर वांछित जानकारी प्राप्त कर अपना ज्ञानवर्द्धन कर रहे हैं। आज इसकी उपयोगिता दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। आज देश के अनेक क्षेत्रों में जैसे– बैंक, उद्योग, शिक्षा, चिकित्सा एवं दूरसंचार के साधनों आदि में भी इसका प्रयोग कुशलता से किया जा रहा है।

इन्टरनेट का इतिहास :– इंटरनेट एवं आधुनिक कम्प्यूटर नेटवर्किंग टेक्नोलॉजी का प्रारंभ 1970 के दशक में हुआ। सन् 1969 में अमेरिका के रक्षा विभाग की संस्था ''डिफेन्स एडवांसड रिसर्च प्रोजेक्ट एजेंसी'' ने सबसे पहला वाईड एरिया नेटवर्क बनाया। जिसका नाम था–ARPANET. प्रारंभ में इसके द्वारा अमेरिका के रक्षा विभाग के विभिन्न कार्यालयों को जोड़ा गया बाद में विश्वविद्यालयों तथा NATO देशों को जोड़ा गया। आज हम जिस इन्टरनेट का उपयोग कर रहे है वह इसी का पूर्ण विकसित रूप है।

इंटरनेट क्या है?– जिसका उपयोग आज सर्वाधिक हो रहा है वास्तव में उसकी जानकारी होनी आवश्यक है। सरल शब्दों में कहा जाए तो इन्टरनेट संसार में फैले कम्प्यूटरों का नेटवर्क है जिसके माध्यम से संसार की प्रत्येक जानकारी को पलभर में प्राप्त किया जा सकता है। इंटरनेट न कोई साफ्टवेयर है न कोई प्रोग्राम वरन यह ऐसी युक्ति है जहां विभिन्न जानकारियां एक उपकरण के माध्यम से मिल जाती है। इसके माध्यम से मिलने वाली जानकारी में संसार के व्यक्तियों तथा संगठनों का सहयोग रहता है।

इंटरनेट का प्रयोग :– आज इंटरनेट का प्रयोग विभिन्न क्षेत्रों में हो रहा है। कुछ प्रमुख क्षेत्र इस प्रकार है :–

1. **शिक्षा के क्षेत्र में :–** शिक्षा के क्षेत्र में इंटरनेट के माध्यम से विभिन्न विषयों से सम्बद्ध जानकारी सहज ही प्राप्त की जा सकती है। विषय विशेषज्ञों की राय ली जा सकती है। परीक्षा परिणाम भी आज शीघ्र ही प्राप्त किये जा सकते है।
2. **मनोरंजन के क्षेत्र में :–** मनोरंजन के क्षेत्र में इंटरनेट के द्वारा क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। इसके माध्यम से मनपंसद संगीत का आनंद ले सकते है। नई फिल्मों की जानकारी तथा संगीत के विभिन्न पक्षों की सूक्ष्म जानकारी तथा आनंद लिया जा सकता है। तनावभरे जीवन में इंटरनेट राहत का पल है।

3. **कला के क्षेत्र में :–** आज इंटरनेट के माध्यम से कलाकार बना जा सकता है। इसके लिए जन्मजात कलाकार होना आवश्यक नहीं है। इंटरनेट के द्वारा व्यक्ति स्क्रीन पर चित्र बनाता है और प्रिंटर के माध्यम से बिना रंग और तूलिका का प्रयोग किये बिना सुंदर रंगीन चित्र प्राप्त किया जा सकता है।
4. **पुस्तकों के क्षेत्र में :–** पुस्तकों तथा समाचार पत्रों के प्रकाशन में भी इंटरनेट का अपूर्ण योगदान है। यदि समाचार पत्र समय पर न मिले तब भी पलक झपकते ही किसी भी समाचार पत्र को इंटरनेट पर पढ़ा जा सकता है। देश ही नहीं विश्व भर के साहित्यकारों की रचनाओं का आनंद इंटरनेट पर प्राप्त होता है। साहित्य में रूचि रखने वाले इंटरनेट के माध्यम से अपनी रचनाओं का प्रकाशन कर सकते है।
5. **वैज्ञानिक क्षेत्र में :–** विज्ञान भी इंटरनेट से जुड़ा हुआ है। अंतरिक्ष तथा अनेक वैज्ञानिक खोजों की सटीक तथा तथ्यपरक जानकारी इंटरनेट प्रदान करता है।
6. **चिकित्सा के क्षेत्र में :–** चिकित्सा संबंधी विभिन्न जानकारियां इंटरनेट से प्राप्त की जा रही है। चिकित्सा सुविधाओं से वंचित ग्रामीण क्षेत्रों में भी इंटरनेट के माध्यम से चिकित्सकों को सुविधा मार्ग दर्शन दिया जा रहा है। आज आम इंसान भी विभिन्न रोगों और उपचार केन्द्रों की जानकारी इंटरनेट से प्राप्त कर लेता है।
7. **कृषि क्षेत्र में :–** भारत कृषि प्रधान देश है। आधुनिक युग का किसान इंटरनेट के माध्यम से कृषि की उन्नत तथा नयी तकनीकों की जानकारी प्राप्त कर रहा है। आज किसान घर बैठे ही उन्नत कृषि के गुर सीख रहे है।
8. **बैंकिंग के क्षेत्र में :–** भारतीय बैंकों में खातों के संचालन में इंटरनेट का उपयोग हो रहा है। आम व्यक्ति भी बैंक संबंधी विभिन्न कार्यों के लिए इंटरनेट का प्रयोग करके समय की बचत कर रहा है।

इन क्षेत्रों के अतिरिक्त डिजाइनिंग, संचार, संगीत आदि में भी इंटरनेट का प्रयोग हो रहा है।

इंटरनेट के लाभ :–

1. समय की बचत होती है।
2. एक स्थान पर बैठकर अनेक स्थानों से संबंधित जानकारी प्राप्त होती है।
3. तथ्यपरक जानकारी प्राप्त होती है।
4. इंटरनेट सरल तथा सुलभ माध्यम है जिससे हम अनेक क्षेत्रों की जानकारी प्राप्त करते है।

इंटरनेट से हानि :–

1. इंटरनेट पर अश्लील वेबसाइट के कारण समाज में नैतिकता का संकट उत्पन्न हो गया है।
2. इंटरनेट का अत्यधिक प्रयोग करने के कारण मनुष्य स्वविवेक एवं बुद्धि का प्रयोग कम कर रहा है।
3. इंटरनेट के अधिक उपयोग से स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है।

उपसंहार :– इंटरनेट के अधिकाधिक प्रयोग ने सिद्ध कर दिया है कि यह नव चमत्कार के रूप में मान्य कर लिया गया है। किन्तु यह भी सर्वमान्य तथ्य है कि प्रत्येक वस्तु के श्वेत श्याम पक्ष होते है। सदुपयोग करने वालों के लिए जहां इंटरनेट अनूठी सुविधा की खान है वहीं इंटरनेट का दुरूपयोग करने वालों ने असुविधाओं के श्याम पक्ष को हमारे समक्ष प्रस्तुत किया है। अतः आज आवश्यकता इस बात की है कि हम इंटरनेट की उपयोगिता पहचानें तथा स्वयं अपनी, समाज की तथा देश की उन्नति के कारक बनें।

प्रस्तुतिकरण 2 अंक, विषयवस्तु 4 अंक, भाषाशैली 2 अंक, उपसंहार 2 अंक।

उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 10 अंक 10 अंक प्राप्त होंगे

– – – – –